NEWS FOR
UPSC
UPSC
IAS/PCS
STATE EXAM
All Exam
ABHAY SIR
CURRENT
AFFAIRS
26 Dec.
2024
100.000
77.667
40.045
97.51%

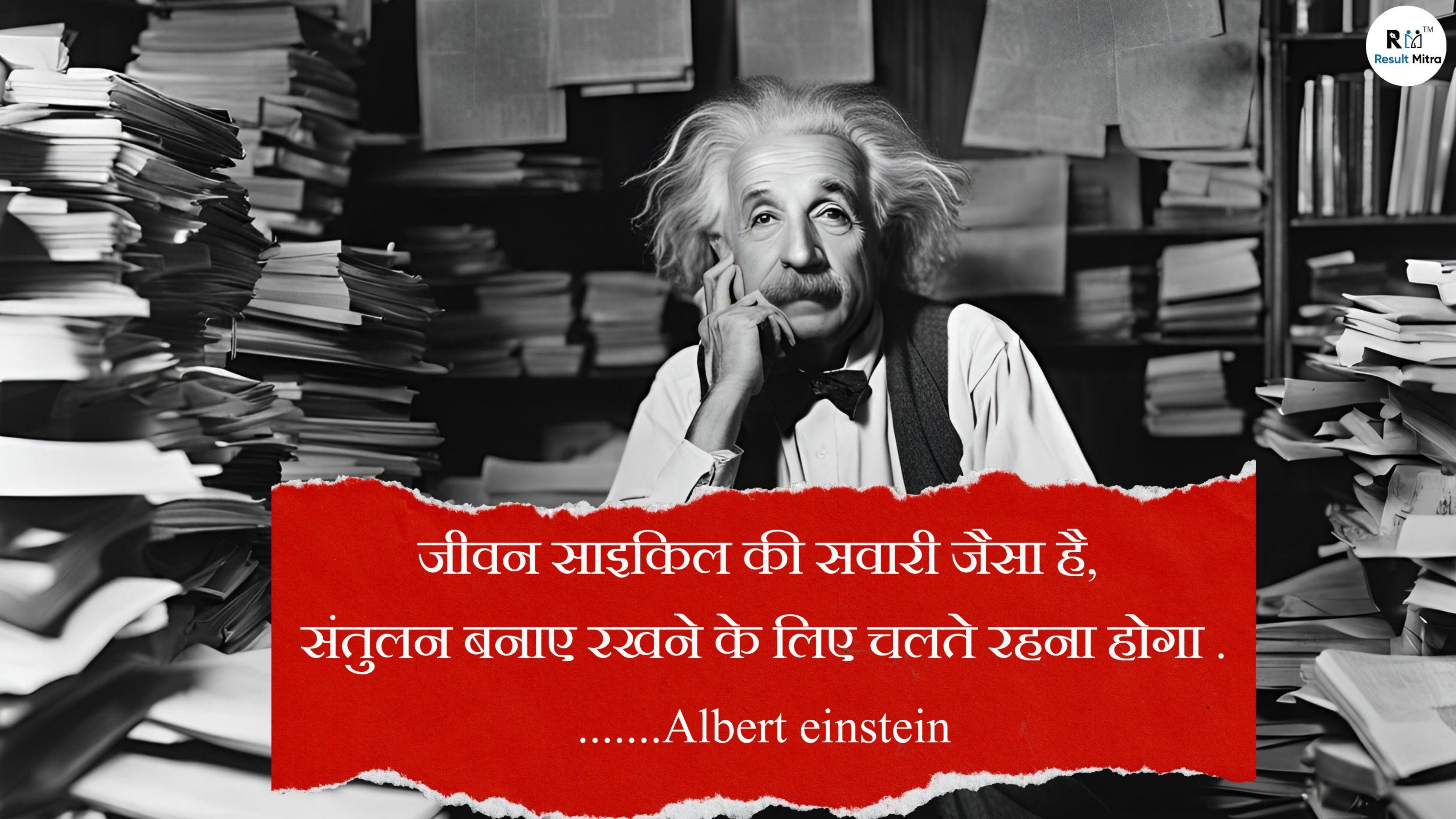
Result Mitra
जीवन साइकिल की सवारी जैसा है,
संतुलन बनाए रखने के लिए चलते रहना होगा .
.......Albert einstein

Topic 1:– मदन मोहन मालवीय और उनका योगदान

Topic 2:– 'महाराष्ट्र जेल और सुधारात्मक सेवा विधेयक, 2024'

Topic 3 :– जेल और सुधारात्मक सेवा विधेयक 2024

Topic 4 :– कृषि क्षेत्र में कार्बन ट्रेडिंग तंत्र

Topic 5 :– भारत से बाहर स्थित भारतीय सैन्य बेस

मदन मोहन मालवीय और उनका योगदान

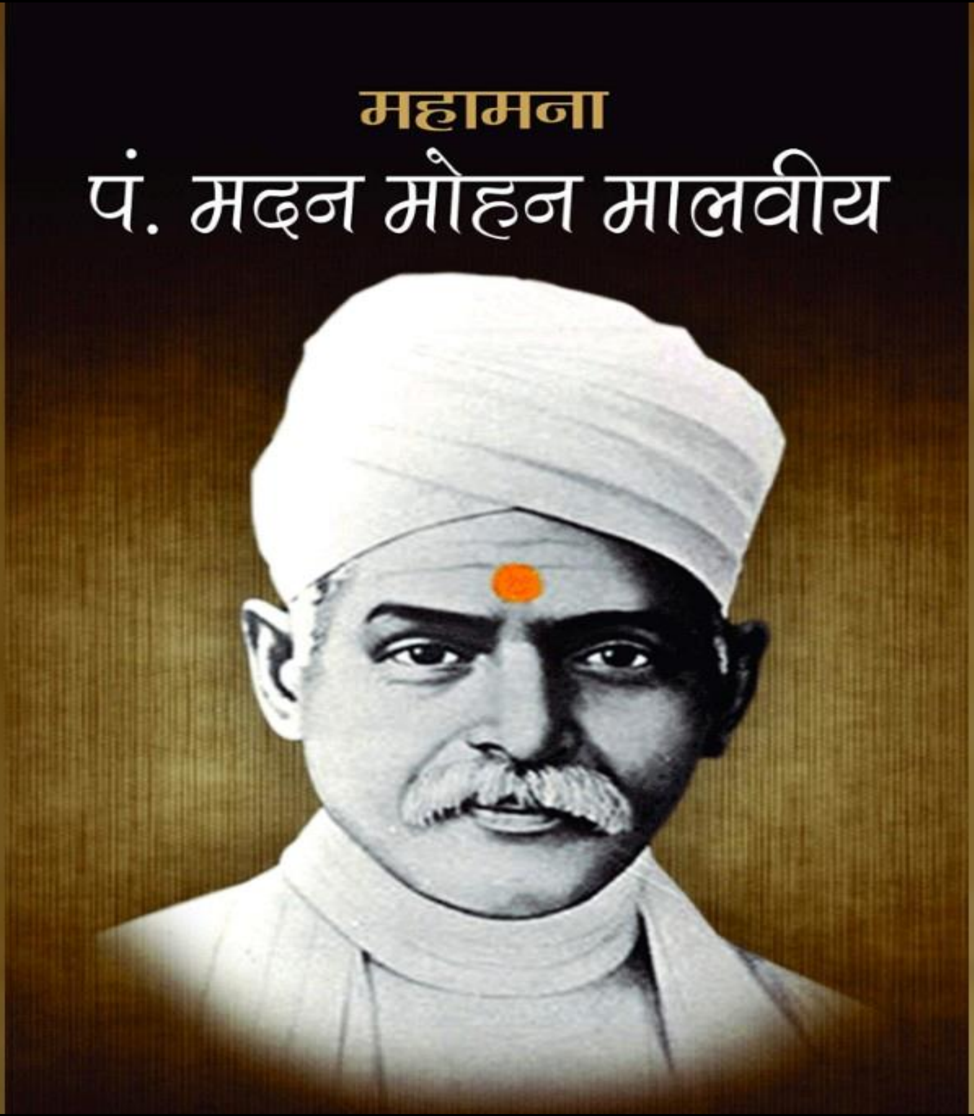

Result Mitra

❑ पंडित मदन मोहन मालवीय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता, शिक्षाविद, और समाज सुधारक थे।

❑ उन्हें "महामना" की उपाधि दी गई थी।

❑ वे भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं।

❑मुख्य बिंदु:

1. जन्म और प्रारंभिक जीवन:

❑पंडित मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसंबर 1861 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (तब इलाहाबाद) में हुआ था।

❑जीवन और मृत्यु :– 25 दिसंबर 1861 - 12 नवंबर 1946

❑उनके पिता संस्कृत के विद्वान थे, जिससे उन्हें प्रारंभ से ही भारतीय संस्कृति और परंपरा का ज्ञान प्राप्त हुआ।

Source:– PIB

2. शिक्षा और करियर:

❑उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की।

❑अपने जीवन की शुरुआत एक शिक्षक और पत्रकार के रूप में की।

3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU):

❑1916 में उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की स्थापना की, जो आज भारत का एक प्रमुख शिक्षण संस्थान है।

❑उनका उद्देश्य भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ना था।

4. स्वतंत्रता संग्राम में योगदान:

- वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चार बार अध्यक्ष रहे।
- उन्होंने स्वदेशी आंदोलन और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई।
- जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद दोषियों को सजा दिलाने के लिए उन्होंने कड़ा विरोध किया।

5. समाज सुधार और पत्रकारिता:

- उन्होंने "हिंदुस्तान" और "अभ्युदय" जैसे अखबारों के माध्यम से भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरित किया।
- जाति-पाति, सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ अभियान चलाया।

6. उपलब्धियां और सम्मान:

- वे शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं।
- 2014 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

7. मृत्यु:

- पंडित मदन मोहन मालवीय का निधन 12 नवंबर 1946 को हुआ।

- UPSC के लिए महत्व:
- शिक्षा के क्षेत्र में योगदान: बीएचयू की स्थापना।
- स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और ब्रिटिश शासन का विरोध।
- समाज सुधारक: जाति प्रथा और छुआछूत का विरोध।
- मूल्य आधारित राजनीति: सत्य और नैतिकता के साथ राजनीति करने की प्रेरणा।
- आधुनिक भारत के निर्माता: भारतीय शिक्षा और संस्कृति को नई दिशा दी।

प्रश्न 1:
निम्नलिखित में से कौन सा कथन मदन मोहन मालवीय के बारे में सही है?
1. वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चार बार अध्यक्ष रहे।
2. उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की।
3. उन्हें "महामना" की उपाधि महात्मा गांधी ने दी थी।
कूट:
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपरोक्त सभी

घरेलू प्रवासन रिपोर्ट

❑ किसने जारी की :– प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) ने।

❑रिपोर्ट का शीर्षक :– '400 मिलियन ड्रीम्स' है।

❑रिपोर्ट में :– भारत में 2011 की जनगणना के बाद से प्रवासन के बदलते पैटर्न का उल्लेख।

❑आंतरिक या घरेलू प्रवास :–

❑ एक देश के भीतर यात्रा करना है। इसमें लोग किसी भी उद्देश्य से अपने ही देश के एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं।

❑यात्रा के उद्देश्य व्यवसाय, शिक्षा, पर्यटन, धार्मिक कारणों, स्वास्थ्य देखभाल, या पारिवारिक मुलाकात जैसे उद्देश्यों के लिए हो सकता है।

- प्रवासन में प्रतिकर्ष और अपकर्ष दोनों स्थितियों देखी जा सकती हैं।
- अपकर्ष कारक (Pull factors): उच्च जीवन स्तर, आर्थिक अवसर, शांति और स्थिरता, आदि।

- प्रतिकर्ष कारक :– इसमें रोजगार के अवसरों में कमी होना , गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्राकृतिक आपदा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी।

- रिपोर्ट के मुख्य बिंदु :–
- घरेलू प्रवासियों की संख्या में 12 प्रतिशत (लगभग) कमी होने का अनुमान।
- यह संख्या 2011 में 45.57 करोड़ थी जो 2023 में घटकर 40.20 करोड़ रह गई।
- प्रवासन दर भी घटकर लगभग 38% से 29% रह गई है।

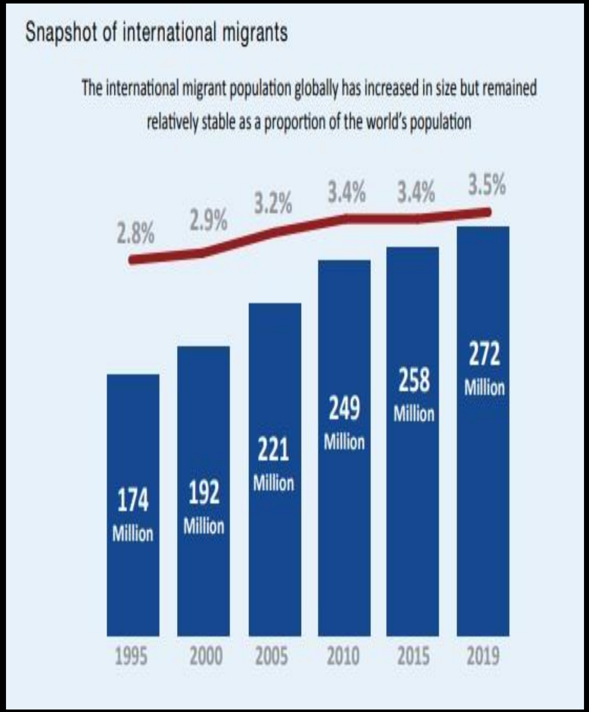

Result Mitra

- रिपोर्ट में प्रवासन की गतिशीलता:
- लोग घरेलू प्रवासन में मुख्यत कम दूरी तक ही प्रवास करना पसंद करते हैं।
- जबकि दूरी श्रम गतिशीलता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
- प्रवासन के लिए उपयुक्त मुख्य नगर :– दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता है।
- प्रमुख प्रवास मार्ग: गुजरात-महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश-दिल्ली, तेलंगाना आंध्र प्रदेश, बिहार-दिल्ली (राज्य स्तर)।
- प्रवासी हिस्सेदारी में वृद्धि: पश्चिम बंगाल, राजस्थान और कर्नाटक में प्रवासियों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज।
- जबकि महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में आने वाले कुल प्रवासियों की हिस्सेदारी में कमी दर्ज की गई है।

प्रश्न:भारत में घरेलू प्रवासन (Internal Migration) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत में अधिकांश घरेलू प्रवासन विवाह और परिवार-आधारित कारणों से होता है।
2. ग्रामीण से शहरी प्रवासन का मुख्य कारण रोजगार के अवसरों की उपलब्धता है।
3. भारत में प्रवासन से संबंधित आँकड़े सेंसस (Census) और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) के माध्यम से एकत्र किए जाते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

'महाराष्ट्र जेल और सुधारात्मक सेवा विधेयक, 2024'

Result Mitra

- **उद्देश्य :–** राज्य में जेलों और सुधारात्मक सेवाओं तथा कैदियों के विनियमन से संबंधित कानूनों को समेकित करना है।
- 'महाराष्ट्र जेल और सुधारात्मक सेवा विधेयक, 2024'
- मॉडल जेल अधिनियम, 2023 पर आधारित है।

मॉडल जेल अधिनियम, 2023 की विशेषताए

1. कानून में उच्च सुरक्षा युक्त प्रावधान।
2. खुली व अर्ध-खुली जेलों की स्थापना का प्रावधान।
3. उचित और अच्छे व्यवहार के आधार पर पैरोल, फरलो व शीघ्र रिहाई का उपबंध।
4. कानून में कैदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिससे उन्हें समाज में पुनः समेकित करने के लिए उनके।

- **समावेशी जेल सुविधाएं:** महिलाओं और ट्रांसजेंडर कैदियों आदि के लिए अलग सुविधाओं का प्रावधान किया।

- **जेल व्यवस्था:–**
- भारत में जेल राज्य सूची की प्रविष्टि-4 के अंतर्गत आती है।

- **जेल का संचालन:–**

1. जेल व्यवस्था 1894 के जेल अधिनियम
2. राज्य सरकारों के जेल मैनुअल द्वारा।
3. मॉडल जेल अधिनियम, 2023

❑Gपैरोल (Parole) और फरलो (Furlough) दोनों कैदियों को अस्थायी रूप से जेल से बाहर रहने का अधिकार प्रदान करते हैं, लेकिन इन दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है:

1. पैरोल (Parole)

❑अवधारणा: पैरोल कैदी को उसकी सजा के दौरान अच्छे आचरण के आधार पर दी जाती है।

❑शर्तें: पैरोल पर रिहाई के लिए कैदी को कोर्ट या पैरोल बोर्ड की अनुमति लेनी होती है।

❑अवधि: यह दीर्घकालिक हो सकती है और कैदी को अपनी सजा के बाकी हिस्से को जेल के बाहर रहते हुए पूरा करने की अनुमति दी जाती है।

- आधार:
- अच्छे आचरण
- पुनर्वास की संभावना
- सजा का एक हिस्सा काट लिया गया हो।

- शर्तें:
- कैदी को समय-समय पर रिपोर्ट करना होता है।
- शर्तों का उल्लंघन करने पर उसे वापस जेल भेजा जा सकता है।

2. फरलो (Furlough)

- अवधारणा: फरलो एक अस्थायी और सीमित अवधि की छुट्टी है, जो कैदी को किसी विशेष कारण, जैसे पारिवारिक आपदा, शादी, स्वास्थ्य कारण, आदि के लिए दी जाती है।

शर्तें: इसे अधिकार नहीं माना जाता, बल्कि जेल प्रशासन की अनुमति पर निर्भर करता है।

अवधि: यह कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक सीमित होती है।

आधार:

- मानवीय कारण
- आपातकालीन परिस्थितियां

शर्तें:

- कैदी को समय सीमा समाप्त होते ही वापस आना होता है।
- उल्लंघन करने पर फरलो रद्द किया जा सकता है।

Result Mitra

- मुख्य अंतर:

- निष्कर्ष:

- पैरोल सजा की शेष अवधि जेल के बाहर काटने की अनुमति है, जबकि फरलो विशेष परिस्थितियों में जेल से अस्थायी छुट्टी है।

- भारत में जेल सुधार से संबंधित विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिन्होंने जेल प्रशासन में सुधार और कैदियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। इनमें से प्रमुख समितियां और उनकी सिफारिशें निम्नलिखित हैं:

1. अखिल भारतीय जेल सुधार समिति (1980-83)

अध्यक्ष: न्यायमूर्ति ए.एन. मुल्ला

मुख्य सिफारिशें:

- जेलों को पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।
- कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा की जाए।
- जेल प्रशासन में भ्रष्टाचार और उत्पीड़न को समाप्त किया जाए।
- महिला कैदियों के लिए अलग जेल और विशेष सुविधाएं होनी चाहिए।
- अधिक फोकस अंडरट्रायल कैदियों (Undertrial Prisoners) के मामलों को शीघ्र निपटाने पर होना चाहिए।
- जेल कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

2. कृष्ण अय्यर समिति (1987)

अध्यक्ष: न्यायमूर्ति वी.आर. कृष्ण अय्यर

मुख्य सिफारिशें:

- ❑अंडरट्रायल कैदियों की संख्या को कम करने के लिए विशेष उपाय किए जाएं।
- ❑गरीब और कमजोर वर्ग के कैदियों को कानूनी सहायता प्रदान की जाए।
- ❑बाल अपराधियों और वयस्क अपराधियों को अलग रखा जाए।
- ❑कैदियों के पुनर्वास के लिए कौशल विकास और रोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

3. जेल सुधार पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) की रिपोर्ट (1994-1998)

मुख्य सिफारिशें:

- जेलों में भीड़भाड़ को कम करने के लिए वैकल्पिक सजा (जैसे, जुर्माना, सामुदायिक सेवा) का प्रावधान हो।
- जेलों में बुनियादी सुविधाएं, जैसे स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, और पीने का पानी, प्रदान की जाएं।
- महिला और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय हों।
- कैदियों के परिवारों के साथ संपर्क बनाए रखने की अनुमति दी जाए।

Result Mitra

4. रणबीर सिंह समिति (2010)

मुख्य सिफारिशें:

- जेलों में सुधार के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए।
- मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।
- पुनर्वास और पुनः एकीकरण कार्यक्रमों को मजबूत किया जाए।
- जेलों में अनावश्यक हिंसा और अमानवीय व्यवहार को समाप्त करने के लिए निगरानी प्रणाली लागू की जाए।

Result Mitra

5. विधि आयोग (268वीं रिपोर्ट, 2017)

मुख्य सिफारिशें:

- ❑अंडरट्रायल कैदियों के मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाए।
- ❑जेलों में भीड़भाड़ को कम करने के लिए पैरोल और जमानत की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए।
- ❑कैदियों के अधिकारों और कर्तव्यों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं।
- ❑गैर-हिंसक अपराधों के लिए वैकल्पिक दंड प्रणाली अपनाई जाए।

6. बी.पी. जैकब समिति (1983)

मुख्य सिफारिशें:

- कैदियों के पुनर्वास के लिए सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सेवाएं प्रदान की जाएं।
- जेल प्रशासन में पारदर्शिता लाई जाए।
- महिला कैदियों की सुरक्षा के लिए अलग आवासीय व्यवस्था और सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

सामान्य सुझाव (सभी समितियों से संबंधित):

- 1. जेलों में भीड़भाड़: जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखने से बचने के उपाय किए जाएं।
- 2. पुनर्वास: कैदियों के पुनर्वास और कौशल विकास के लिए कार्यक्रम चलाए जाएं।
- 3. मानवाधिकार: कैदियों के मौलिक और मानवाधिकारों की रक्षा की जाए।
- 4. वैकल्पिक सजा: जेल से बाहर पुनर्वास और सामुदायिक सेवा जैसी वैकल्पिक सजाएं अपनाई जाएं।
- 5. सुधारात्मक दृष्टिकोण: सजा के बजाय सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए।

- ये सिफारिशें भारत में जेल व्यवस्था को सुधारने के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती हैं, हालांकि इनके कार्यान्वयन में अभी भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं।

Result Mitra

कृषि क्षेत्र में कार्बन ट्रेडिंग तंत्र

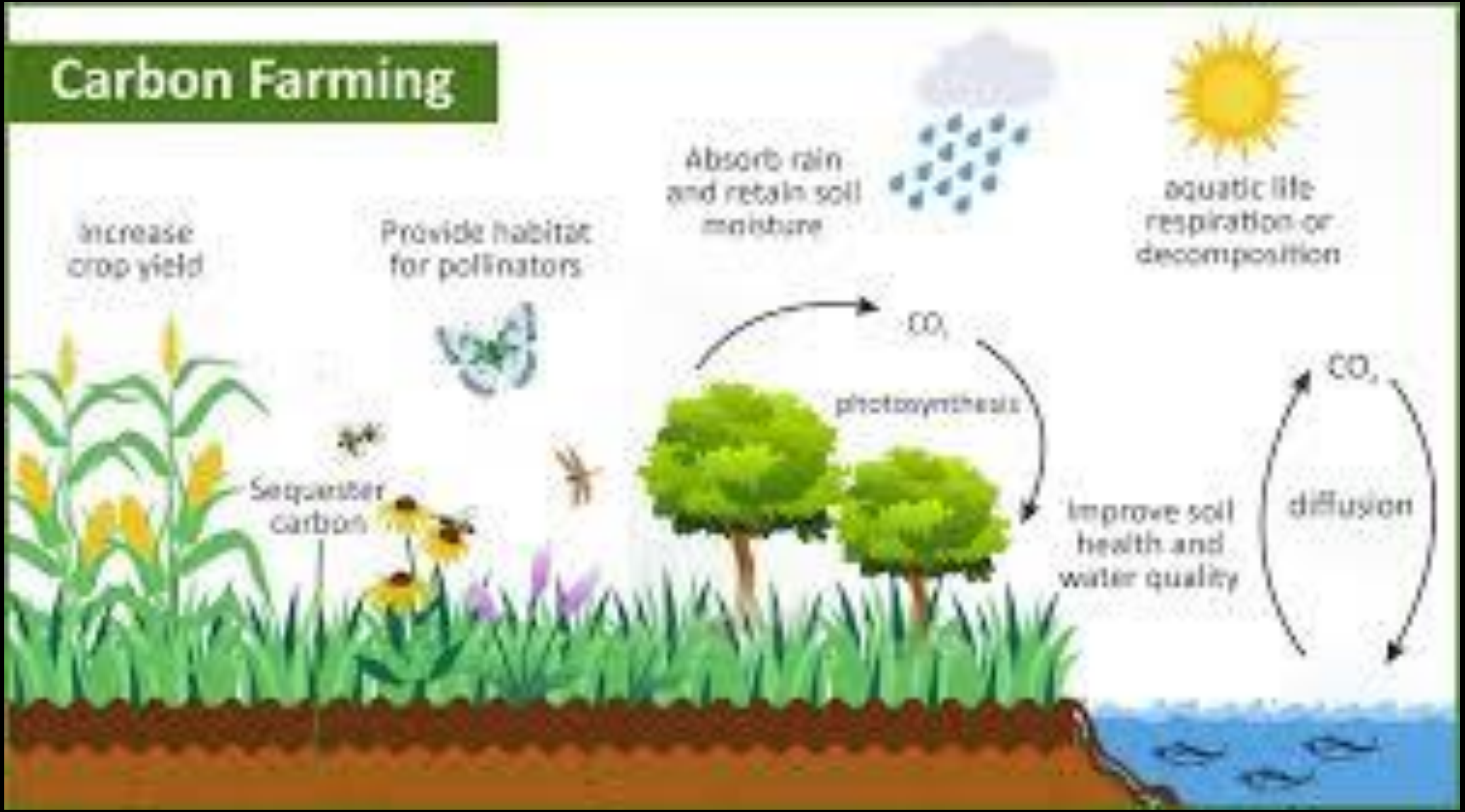

- कार्बन ट्रेडिंग के तहत चयनित क्षेत्रों में से कृषि क्षेत्र एक है।
- सरकार ने दिसंबर 2023 में कार्बन ट्रेडिंग तंत्र के कार्यान्वयन के लिए कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना को अधिसूचित किया।
- इस योजना के द्वारा कार्बन ट्रेडिंग के तहत किसानों एवं किसानों से संबंधित संस्थाओं को कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे।
- भारत में कृषि क्षेत्र के लिए स्वैच्छिक कार्बन बाजार (वीसीएम) को बढ़ावा देने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने एक रूपरेखा तैयार की है

इस रूपरेखा का उद्देश्य :–

1. छोटे और सीमांत किसानों को कार्बन क्रेडिट लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

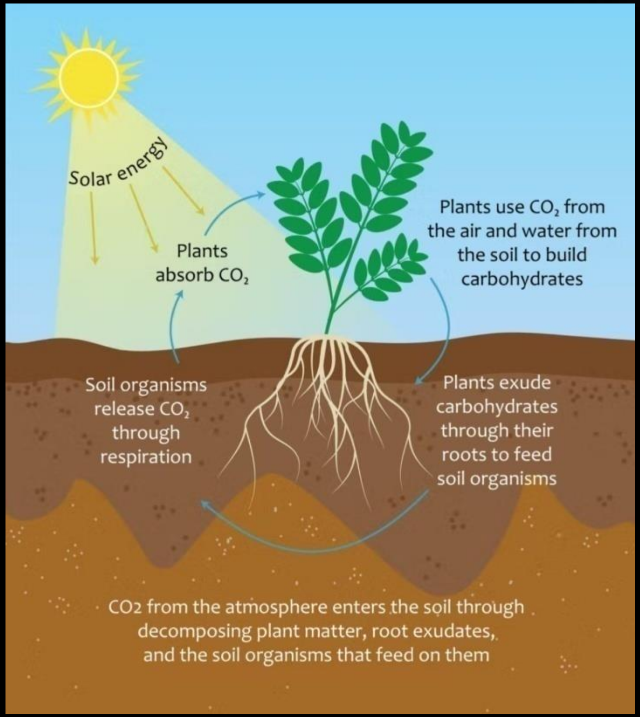

2. किसानों को जब कार्बन बाजार से परिचित कराया जाएंगा तो इससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

3. कार्बन बाजार से परिचित होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को किसान अधिक तेजी से अपनाने के लिए प्रतीत होंगे।

4.किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

5. किसान कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकेंगे

6. किसान मिट्टी, पानी, जैव-विविधता आदि जैसी प्राकृतिक पूंजी के संदर्भ में अन्य कृषि-पारिस्थितिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

Result Mitra

कृषि क्षेत्र में कार्बन ट्रेडिंग से संबंधित यूपीएससी प्रीलिम्स प्रश्न इस प्रकार हो सकता है:---

प्रश्न:कार्बन क्रेडिट (Carbon Credit) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कार्बन ट्रेडिंग के माध्यम से किसान अपनी भूमि में कार्बन सिंक (Carbon Sink) को बढ़ावा देकर आय अर्जित कर सकते हैं।
2. कृषि में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए जैविक खेती और शून्य जुताई तकनीक सहायक हो सकती है।
3. कार्बन क्रेडिट केवल ऊर्जा उत्पादन उद्योग के लिए प्रासंगिक हैं, कृषि के लिए नहीं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1

(d) 1, 2 और 3

भारत से बाहर स्थित भारतीय सैन्य बेस

❑ मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर बना सैन्य अड्डा।

❑मॉरीशस हिंद महासागर में अवस्थित एक द्वीपीय देश है, यह देश अफ्रीका के पूर्वी तट पर अवस्थित है।

❑भूमि:

❑मेडागास्कर से इसकी दूरी लगभग 500 मील/800 किमी पूर्व में।

❑अगालेगा द्वीप, मॉरीशस के द्वीप समूह में प्रमुख द्वीप है जो 580 मील/930 किमी उत्तर की ओर स्थित है।

❑सामरिक दृष्टि से मॉरीशस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी देश है।

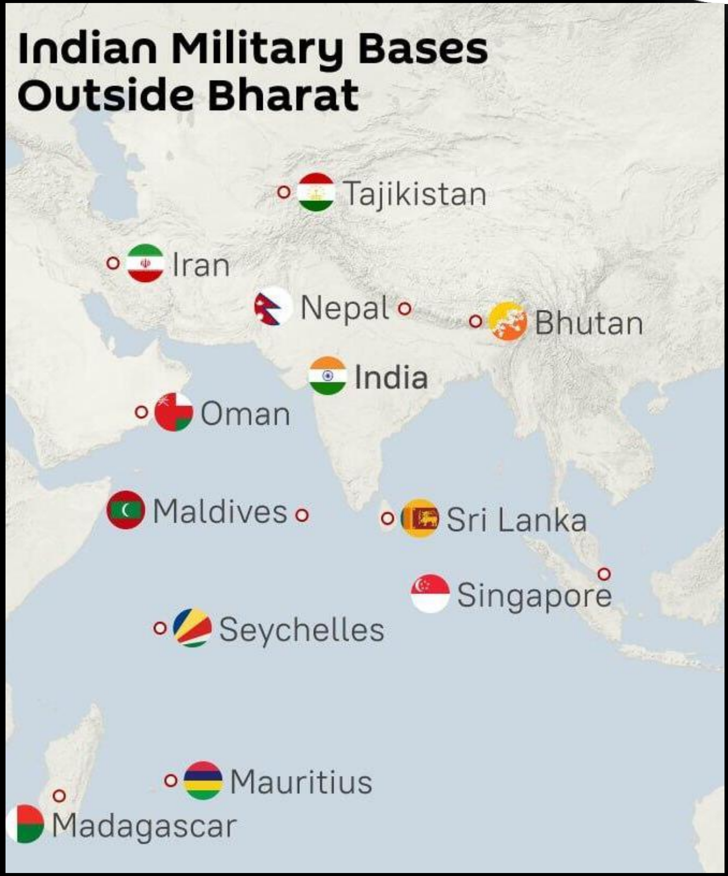

- भारत हिंद महासागर की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए मॉरीशस के साथ में समझौते कर रहा है
- भारत और मॉरीशस के मध्य सुरक्षा और विकास को सुनिश्चित करने के लिए अगालेगा द्वीप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।
- इन समझौता में महत्वपूर्ण है समुद्री सुरक्षा
- महासागर एक लंबे समय से समुद्री लुटेरों की समस्या से जूझ रहा है साथ में ही भारत को घेरने की चीन की जो नीति है उससे भी भारत अपना बचाव करना चाहता है

- भारत और मॉरीशस के इन समझौते से

1.समुद्री सुरक्षा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

2.भारत-मॉरीशस के रिश्तों में और अधिक मजबूती आएगी।

3.भारत हिंद महासागर में और अच्छे से निगरानी रख सकेगा

❑मॉरीशस में सेंट जेम्स जेट्टी नामक हवाई पट्टी का उदघाटन मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साथ किया

❑साथ ही दोनों ने छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

❑भारत और मॉरीशस संबंध :-

❑दोनों देशों के मध्य संबंध स्वतंत्रता के पहले से चले आ रहे हैं।

❑जब महात्मा गांधी अक्टूबर 1901 में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर थे तो इस दौरान कुछ समय के लिए मॉरीशस में रुके।

❑मॉरीशस अपना का राष्ट्रीय दिवस 12 मार्च को मनाता है इस दिन ही गांधी जी में दांडी यात्रा (चौबीस दिवसीय मार्च 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक) को प्रारंभ किया है।

❑मॉरीशस की कुल आबादी में भारतीयों का लगभग 70 प्रतिशत है।

Result Mitra

❑प्रधानमंत्री मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के (मई 2019 में) शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ भी शामिल हुए।

❑भारत के अन्य देशों में स्थित अन्य मिलट्री बेस :–

❑ताजिकिस्तान (Tajikistan)

❑राजधानी :– दुशांबे

❑ ताजिकिस्तान के फरखोर (Farkhor) में भारतीय मिलिट्री का एयर बेस मौजूद है.

❑संचालन :– भारतीय वायुसेना द्वारा.

❑ यह भारत का पहला ऐसा मिलिट्री बेस है, जो भारत से बाहर स्थापित किया गया .

❑भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट को यहां तैनात किया हैं.

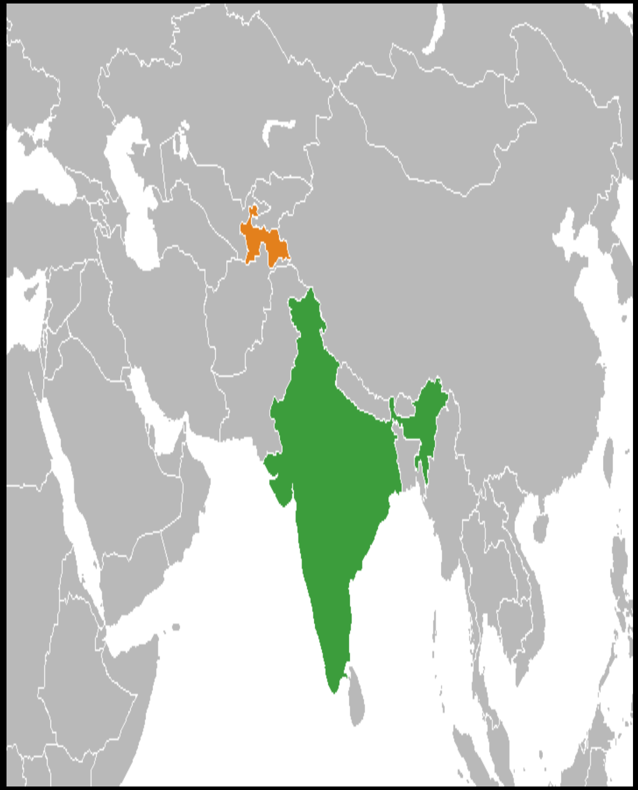

❑भूटान (Bhutan)

❑यहां भारत का एक सैन्य बेस एक स्थाई ट्रेनिंग सेंटर के रूप में मौजूद है.

❑नाम :– भारतीय मिलिट्री ट्रेनिंग टीम (IMTRAT) .

❑स्थापना :–1961-62 में की गई थी.

❑भूटान में रक्षामंत्री नहीं होते जिस कारण यहां मौजूद कमांडेंट भूटान के राजा को रक्षा मामलों में सलाह और सहायता प्रदान करता है.

❑मैडागास्कर

❑भारतीय मिलिट्री का उत्तरी मैडागास्कर में लिसनिंग पोस्ट और एक राडार फैसिलिटी मौजूद है.

❑निर्माण :– 2007 में

❑निर्माण क्यों :–

1. हिंद महासागर में जहाजों पर नजर रखी जा सके.
2. समुद्री संचार को सुना जा सके.

❑ओमान (Oman)

❑रास अल हद में भारतीय मिलिट्री का एक लिसनिंग पोस्ट .

❑साथ ही भारत के पास मस्कट नौसैनिक बेस पर बर्थिंग अधिकार है.

❑जिसका अर्थ होता है की इस जगह भारतीय नौसेना के जंगी जहाजों, पनडुब्बियों आदि को जरूरत पड़ने पर ईंधन आदि की सहायता मिल जाएगी

❑Duqm में भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना का छोटा बेस मौजूद।

प्रश्न:भारत के सैन्य बेस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत का पहला विदेशी सैन्य बेस मेडागास्कर में स्थित है।
2. 2. भारत ने मॉरीशस और सेशेल्स में अपने सामरिक हितों को सुरक्षित करने के लिए सैन्य सुविधाएँ स्थापित की हैं।
3. 3. भारतीय नौसेना ने ओमान के डुक्म (Duqm) बंदरगाह का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result

+ SUBSCRIBE

LIKE & SHARE

PDF

Result Mitra